• इस्लाम मे जानदार की तस्वीर [फोटो] हराम है

بِسْــــمِ اللّٰہِ الرَّحْـمٰـنِ الرَّحِـیْـمِ

اَلصَّــلٰــوۃُ وَالسَّــلَامُ عَــلَـیْـکَ یَا رَسُــوْلَ اللّٰہ ﷺ

◉┅┅✧ जानदार मतलब जिसमे जान हो जैसे इन्सान, जानवर वगैरह की तस्वीर खेंचना, खींचवाना, देखना, बेचना, खरीदना सब हराम है मगर आज मुसलमान इस गुनाह को गुनाह ही नही समजता

◉┅┅✧ जिसमे जान न हो जैसे मकान , पेड, फुल ओर दरगाह वगैरह की तस्वीर मे कोइ हर्ज नही

◉┅┅✧ खास तौर पर नौ जवान इस गुनाह मे खास मुब्तला है इस लिए इस गुनाह से बचने के लिए ये पेम्पलेट जरुर पढे क्युकी इल्म हासिल करना फर्ज है

●┅┅✧ इस पेम्पलेट मे आप ये पढेंगे

1. **आलिम फोटो खिंचाते है तो वो गुनहगार नही ?**
2. **फोटो मे गुनाह क्या है ?**
3. **फोटोग्राफी ओर विडीयोग्राफी का धंधा करना कैसा है ?**
4. **आज सब तो फोटो पढाते हम क्यों नही ?**
5. **फोटो हराम है मगर विडीयो ?**
6. **फोटो खिंचना हराम है मगर देखना ?**
7. **मोबाइल मे भी तस्वीर हो तो घर मे रहमत के फरिश्ते नही आएंगे ?**
8. **फोटो पडाने वाले को पिर या मस्जिद का इमाम बनाना कैसा ?**
9. **आधार कार्ड ओर पैसे की नोट पर जो फोटो हे उस का क्या हुक्म है ?**
10. **जरुरत के वक्त फोटो पडाना ?**
11. **इस्लाम फैलाने के लिए फोटो पडाना ?**
12. **आज सब फोटो के जवाज के काइल है तो क्या ये इजमा ए उम्मत है ?**

❖ **इस मे जो कुछ लिखा है इसकी वजाहत मुफ्ती _____________ सहाब ने की है के इसमे लिखा हुआ सब बिलकुल दुरुस्त है**

◉-----✧ हजरत अली फरमाते है

जहालत मौत है ओर जाहिल चलती फिरती लाश है

इस लिए इल्म सिखे

फोटो हराम है इसकी अहादीष........

▓—• Ǘ मफहूम-ऐ-हदीस:: रसूलल्लाह ﷺ ने इरशाद फ़रमाया:

➧"हर तस्वीर बनाने वाला जहन्नमी है अल्लाह तआला हर एक तस्वीर(Photo) के बदले जो उसनें बनाईं है,एक मखलूक पैदा करता है कि वो उसको दोजख में अजाब दे

◉---✧ ؍ [सही मुस्लीम]

◉---✧①हुज़ूर सल्लल्लाहो अलैहे वसल्लम ने फरमाया कयामत में सबसे ज्यादा अजाब तस्वीर(Photo) बनाने वाले को होगा.

◉---✧ ؍ [सहीह बुखारी व मुस्लिम]

◉---✧②तस्वीर बनाने वाले को(Photo graphar) को अजाब होगा उस वक्त तक कि वो अपने बनाये हुए फोटो में रूह न फूंक दे और ये उसके बस की बात नहीं

◉---✧ ؍ [सहीह बुखारी]

◉---✧③कयामत में दोजख से एक गर्दन निकलेगी जिस की 2 आँखें जिनसे वो देखेगी और 2 कान होंगे जिनसे वो सुनेगी और एक जबान होगी जिनसे बोलेगी वो कहेगी मैं 3 शख्स पर मुसल्लत (भारी) होगी

1:- मुशरीक [गैर मुस्लिम]

2:- सरकश।

3:- तस्वीर बनाने

वाला(photographar)

◉---✧ ؍ [सुनन तिर्मिज़ी]

◉---✧④जिस घर में कुत्ता और तस्वीर (जानदार) हो, उस घर में रहमत के फरिश्ते दाखिल नहीं होते

◉---✧ ؍ [फतावा ए रजवीया जिल्द 9 सफा 143]

◉---✧⑤ गिरजाघर में न जाओ कि वहां तस्वीर होती है और जो तस्वीर बनाते है वो बदतरीन मखलूक है ।

◉---✧ ̗ बुखारी शरीफ जिल्द1,सफा 62

मुस्लिम1/201

फतवाए रजवीया 8/146

◉┅┅✧ ⑥ हजरत आयशा एक तक्या खरीद कर लाए जिस पर तस्वीर बनीथी तो आका ﷺ

घर मे तशरीफ न लाए जब तक के वो तक्ये को हजरत आयशा ने फेंक न दीया

◉┅┅✧ सहीह बुखारी

◉┅┅✧ इस लिए अपने घर ओर दुकानो मे जानदार की तस्वीर बनी हो एसी कोइ भी चीज ना रखे जैसे रुमाल वगैरह ओर किसी इन्सान की तस्वीर भी ना रखे चाहे वो पिर ही क्यु न हो क्योंकि तस्वीर से घर मे रहमत के फरीश्ते नही आते ओर दुकानों मे सामान पर तस्वीर होती है उसका क्या वो आगे पढे......

◉•➤••◉

' उलमा तस्वीर लेते है तो हम क्यु नही........... '

▓━• Ű मफहूम-ऐ-हदीस:: रसूलल्लाह ﷺ ने इरशाद फ़रमाया:

➧"हर तस्वीर बनाने वाला जहन्नमी है अल्लाह तआला हर एक तस्वीर(Photo) के बदले जो उसनें बनाईं है,एक मखलूक पैदा करता है कि वो उसको दोजख में अजाब दे

◉---✧ ̗ [सही मुस्लीम]

Ũ तफसील Ũ

◉---✧① इस हदीस पर गौर करे हमने हमारे मोबाइल से कितनी तसावीरे [PHOTOS] ली है उन तस्वीर मे से सबको अल्लाह पैदा करेगा ओर वो हमे अजाब देंगे {अल्लाह की पनाह} इसलिए तौबा करे वो PHOTOS डिलीट करे

◉---✧② ओर जिसने फोटो WHATSAPP या FACEBOOK पर रखे है तो क्या पता कितने लोगो ने उसे डाउनलोड कर लिया होगा इसलिए WHATSAPP ओर FACEBOOK पर भी लिख कर सेन्ड करना जरुरी है के जिसने मेरे फोटो डाउनलोड करे है वो डिलीट करदे

◉---✧ अब अगर वो लोग डिलीट नही मारते तो उनपर गुनाह है हम पर कोइ गुनाह अब नही

◉---✧ क्युके ये कायदा [LAW] है जो गुनाह सब के सामने किया हो तो तौबा भी सब के सामने करनी होगी वरना

आप सिर्फ मन मे तौबा कर लेंगे तौबा कबुल नही होगी ओर गुनाह माफ नही होगा

◉---✧③ रही बात कुछ आलिमो की जो PHOTOS खिंचाते है ओर मोबाइल से खिंची हुइ तस्वीर या विडीयो को जाइज कहते है उनका क्या?

◉---✧④ याद रहे के किसी का भी कोइ हराम काम करने से वो काम जाइज नही होता

◉---✧ जब ताजुश्शरीआ़ से पुछा गया के आप के भाइ तस्वीर खिंचाते हैं तो आपने फरमाया मे खुद अगर हराम काम करु तो वो काम जाइज नही हो जाएगा इस सुरत मे आप मुजे छोड दे ओर शरीअत पर कायम रहे

◉---✧ कुछ लोग इसे इख्तिलाफि मस्अला कह कर आवाम को गुमराह करते है याद रखे इस मस्अले पर पिछले 1400 साल तक कोइ इख्तिलाफ नही था जब के केमेरा की शोध 1816 मे हुइ यानी आला हजरत के पैदाइश से पहले तो उस वक्त तक तो कोइ इख्तिलाफ नही था तो अब अचानक कैसे इख्तिलाफ हो गया

' आप को ये सवाल आता होगा आलिम फोटो खींचाते है तो वो गुनाह कर रहे है वो तो इल्म वाले है........? '

➧" केमेरा की शोध 1816 में हुई और अभी तक तो इस तो इस मसले पर 13 वी सदी तक कोइ इख़्तिलाफ नही हुआ मगर पिछले कुछ सालों में कुछ लोगो ने उस पर वांधा उठाया है

◉------✧इस लिए इसे इजमा ए उम्मत नही कहा जा सकता क्युके जो इजमा इजमा ए सहाबा व अइम्मा के खिलाफ हो वो गलत इजमा है

◉---✧सबसे पेहले वहाबी जमात के मोलवी मौदूदी ने इसे जाइज़ कहा फिर उसके बाद ये फितना अहले सुन्नत में भी आ गया

◉---✧①विडियो भी एक सिनेमा ही की शक्ल हे और सिनेमा को पहले किसीने जाइज़ नही कहा

◉---✧ताज्जुशरिया फरमाते हे हमने देखा पहले जब कुछ नफ़्स पसदीदा लोगो ने इस मसले पर इख़्तिलाफ नही करा था तब मुसलमान सिनेमा देखने नही जाते थे और जो जाता था वो छुप छुप कर जाते थे ओर अगर लोग अपने जान पहचान वाले को किसीको सिनेमाघर में से निकलता देखते तो वो बिचारा शर्मा जाता था के मुजे मेरे रिशतेदार ने देख लिया

◉---✧②मगर अभी आज़ादी का दौर है अब सब कर रहे हे इसलिये कोई किसीसे शर्म महसूस नही करता

◉---✧आधार कार्ड , करेंसी नोट पर जो फोटो होती हे उसका क्या हुक्म हे ?

◉---✧③इस सिलसिले में ताज्जुशरिया फरमाते हे के इस में फोटो खिंचवाने वाले की खुशी नही होती बल्कि ये गवर्मेंट की तरफ से प्रेसर हे अगर यहाँ फोटो नही खिचवायेंगे तो हमारे पास कोई चारा नही हे

◉---✧वरना में इसको भी हराम केहता हूं मगर यहाँ गवर्मेंट का प्रेशर हे अगर यहाँ फोटो के बगैर भी चल जाता

होता तो यहाँ भी फोटो खिंचाना हराम है मगर गवरमेन्ट की तरफ से ये रूल हे इस लिए मजबूरन यहाँ फोटो खींचाना पड़ता है

◉---✧इसी तरह करेंसी नोट का हुक्म हे उस पर जो खबीस का फोटो हे उसमे हमारी कोई ख़ुशी नही है मगर अगर वो फोटो न हो तो उस नोट की कोई वैल्यू न होगी बाजार में इस लिए नोट घर में या जैब मे हो तो इसमें कोई हर्ज नही

◉---✧मगर इसके सिवा अगर कोई तस्वीर घर में होंगी तो उस घर में बरकत नहीं होगी क्यूको तस्वीर घर में रखना जाइज़ नही ɯ 8

◉---✧हदीस--जिस घर में कुत्ता और तस्वीर (जानदार) हो, उस घर में रहमत के फरिश्ते दाखिल नहीं होते

◉---✧ ˛ फतावा ए रजवीया जिल्द 9 , सफा 143

कुछ आलिम कहते है इस्लाम फैलाने के लिए हम इसको जाईज कहते है इसमे हर्ज क्या?........

▓—• Ű ताजुश्शरीआ رحمتہ اللہ علیہ फरमाते हैं मुफ्ती ए आजम رحمتہ اللہ علیہ के दौर मे एक फिल्म निकली " खान ए खुदा" तो मुफ्ती ए आजम ने इस के खिलाफ फतवा दिया कि ɯ 8

◉---✧ ◗“दीन को तमाशा न बनाओ

◉---✧हालांकि इस फिल्म मे इस्लाम के खिलाफ कोइ भी चीज नही थी बल्कि इस्लाम का तरीका सही तरीके से दिखाया गया था

◉---✧फिर भी मुफ्ती ए आजम ने कहा "दीन को तमाशा न बनाओ"

◉---✧यानी मुफ्ती ए आजम फरमा रहे है की इस्लाम की सब चीजे सही ही क्यु न दिखाई जाए मगर विडीयो भी एक सिनेमा ही है इसलिए दीन को तमाशा न बनाओ, दीन को इस तरह फैलाने की कोई जरुर नहीं है, दीन का काम इसके बगैर भी Audio से हो सकता है

◉---✧③इस्लाम को फैलाने के लिए किसी हराम चीज का इस्तेमाल जाइज नही हो जाएगा

◉---✧④क्या मेरे प्यारे आकाﷺ ने इस्लाम का काम नहीं करा ?

◉---✧ क्या इमामे आजम رحمتہ اللہ علی ने इस्लाम का काम नहीं करा ?

◉---✧ क्या गौषे आजम رحمتہ اللہ علی ने इस्लाम का काम नहीं करा ?

◉---✧ क्या ⁹⁰ लाख को मुसलामान बनाने वाले ख्वाजा गरीब नवाज رحمتہ اللہ علی ने इस्लाम का काम नहीं करा ?

◉---✧ क्या मुजद्दीदे आजम आला हजरत رحمت اللہ علی ने इस्लाम का काम नहीं करा ?

◉---✧ क्या मुफ्ती ए आजमे हींद رحمت اللہ علی ने इस्लाम का काम नहीं करा?

◉---✧ क्या गौषुल वक्त ताजुश्शरीआ رحمت اللہ علی ने इस्लाम का काम नहीं करा ?

◉---✧ क्या आज भी बरेली की सरजमीन से जानशीने ताजुश्शरीआ मुफ्ती असजद रजा ओर दीगर बरेलवी उलमा इस्लाम का काम नही कर रहे?

◉---✧ क्या इन |3 8 मुबारक हस्ती ओ ने इस्लाम के लिए विडीयो का इस्तेमाल किया जबकी केमेरा 1816 से आ गया था?

◉---✧ तो ये महज बहाना है या शोहरत पसंदी के लिए ये कहते हैं कि हम इस्लाम का काम करने के लिए विडीयो का सहारा लैते है

◉---✧ इस लिए ताजुश्शरीआ फरमाते है

◉---✧ एसे आलिम जो फोटो या विडीयोग्राफी के काइल हो उनकी तकरीर सूनना जाइज नही

◉---✧ जैसे की आप लोग जानते है के youtube पर जो उलमा ए किराम की videos आती है

◉---✧ इसी तरह एसे नात ख्वान जो फोटो खिंचवाते हो उन से नात सुनना जाइज नही

◉---✧ इसी तरह कोइ आलिम फोटो या विडीयोग्राफि करवाते हो उनको मस्जिद का इमाम बनाना जाइज नही क्युके उनके पिछे नमाज नही होगी

◉---✧ इसी तरह कोइ आलिम फोटो या विडीयोग्राफि करवाते हो तो उनको निकाह पडाने के लिए या जनाजे की नमाज पढाने के लिए बुलाना जाइज नही

◉-----✧ इसी तरह कोइ पीर फोटो पडवाते हो तो उन्हे पीर बनाना गुनाह है

◉---✧ याद रहे ये सब सुन्नि उलमा है इनको गाली देना हराम है ये हमारे आलिम हे हम इनका अदब करते है

◉---✧ इनके लिए दिल मे नफरत रखना भी हराम है क्योंकि ये सुन्नी उलमा है

◉---✧ हम ये बात अपनी जाती फायदे के लिए नही बल्कि इस्लामी मामले के लिए आपको बता रहे है

◉---✧ तो अब ये बात हमे समज आ जानी चाहिए कि इस्लाम के लिए फोटो विडीयो की इजाजत नही तो फिर बिला वजह शौक के लिए फोटो पडाना मुतलकन हराम, हराम कबीरा हराम है

' हुजुर ﷺ ने तो तस्वीर को हराम कहा है विडीयो या LIVE RECORDING को हराम थोडी कहा है ?........ '

▓—• Ű Google पर है की

"film could be described as a series of photos (in movies normally set at 24 frames (or photos) per second)."

➧यानी विडीयो फोटो की सीरीज है जिसमे 1 सेकन्ड मे 24 फोटो निकल जाती है"

◉---✧live recording भी विडीयो ही की शक्ल है क्योकी वो भी केमेरा से ही रिकोर्ड किया जा रहा है

◉---✧ पता चला के विडीयो ओर live recording भी तस्वीर ही से बनती है जिसकी 1 सेकन्ड मे नोर्मली 24 फोटो होते है मगर वो इतने तेजी से निकल जाते है के हमे लगता है विडीयो की 1 सेकन्ड नीकली है मगर अस्ल मे 24 फोटो तेजीसे निकल गये है

◉---✧तो गौर करने की बात है की हदीस का मफहुम है,अल्लाह के नबी ﷺ फरमाते है

◉---✧हर तस्वीर बनाने वाला जहन्नमी है अल्लाह तआला हर एक तस्वीर(Photo) के बदले जो उसनें बनाईं है,एक मखलूक पैदा करता है कि वो उसको दोजख में अजाब दे

◉---✧③तो गोर करे जिसने 1 मीनीट की विडीयो बनाइ मतलब 60 सेकन्ड × 24 फोटो = 1440 फोटो उसने बनाये (क्यों कि 1 मिनीट मे 60 सेकंड है ओर 1 सेकन्ड में 24 फोटो होते है)

◉---✧ मतलब अल्लाह इससे 1440 बंदो को पैदा फरमायेगा जो 1 मिनीट की विडीयो बनाने वाले को जहन्नम मे सजा देंगे(अलअयाजु बिल्लाह)

◉---✧ ओर जिसने इससे ज्यादा की वीडीयो बनाइ इसके लिए ज्यादा अजाब है

◉---✧ इस लिए मुसलमान को चाहिए के इस 60 साल की जिंदगी मे ख्वाहिशात के पिछे जा कर अपनी हंमेशा रहने वाली जिंदगी [मरने के बाद की जिंदगी] को तबाह व बरबाद न करे

◉---✧ जो लोग फोटोग्राफी या विडीयोग्राफी का धंधा करते है उनकी कमाइ कैसी है?

◉---✧ इस सिलसीले मे ताजुश्शरीआ़ फरमाते है के

◉---✧ ये कमाइ नाजाइज व हराम है ये धंधा मुसलमान के लिए जाइज नहीं

◉---✧ इस लिए ऐसे लोगो के वहा दावत पर जाने से बचे क्योकी1 लुक्मा हराम का खाने वाले की 40 दिन तक नमाज रोजा कुछ कबुल होता नही है ओर आखिरत मे जिल्लत ओर रुस्वाइ अलग

' उस पर अल्लाह की लानत है ओर आखिरत मे जिल्लत का अजाब है........ '

▓—• Ű अल्लाह कुरआन मे इर्शाद फरमाता है

➧- वो लोग जो रसूलल्लाह सल्लललाहु तआला अलैहि वसल्लम को ईज़ा देते हैं अल्लाह ने उन पर दुनिया और आखिरत में लाअनत फरमाई और उनके लिए ज़िल्लत का अज़ाब तैयार कर रखा है

◉---✧ ˛ पारा 22 ,सूरह अहज़ाब,आयत 57

◉---✧हज़रते अकरमा रदियल्लाहु तआला अन्हु फरमाते हैं कि ये आयत तस्वीर बनाने वालों के लिए नाज़िल हुई

◉---✧ ˛ किताबुल कबायेर,सफह 303

◉---✧इस लिए जो PHOTO बनाते है वो अल्लाह की लानत का हकदार ना बने ओर आखिरत मे सबके सामने रुस्वाइ से बचना चाहता है तो फोटोग्राफी से तौबा करे

◉---✧ ˛ मगर टीवी के मसले पर बहुत सारे 'उल्मा' है जो इस पर दिखने वाली इमेज को तस्वीर नहीं मानते और इसको जायज़ करने के लिए ये 3 दलीलें पेश करते हैं

❶ टीवी मिस्ल आइना है

❷ टीवी में तस्वीर नहीं बल्कि शुआयें यानि rase किरण हैं, जो कि तस्वीर नहीं

❸ उमूमे बलवा यानि हालते ज़माना को देखते हुए इसे जायज़ कर दिया जाए

◉---✧आईये चलते हैं इन सारी बातों का पोस्टमोर्टम करने के लिए मगर याद रखे हिंदुस्तान के कुछ सुन्नी उलमा [जिनका नाम सब जानते है] ने जब टिवी जाइज है का फतवा दिया तो हुज़ूर ताजुश्शरिया ने उनकी शरई गिरफ़्त फरमाई और उनकी ग़लत तहक़ीक़ पर उनसे 25 सवालात करे जिनका जवाब आज तक उनकी या उनके मानने वालों की जानिब से नहीं दिया गया [अलहम्दुलिल्लाह]

◉---✧❶ पहली दलील टीवी मिस्ल आइना है

◉---✧टिवी को जाइज कहने वाले उलमा पहली दलील ये देते है की टीवी मिस्ल आइना है यानि जब हम आइने के सामने खडे होते है तो हमारी तस्वीर उसमे दिखती है इसी तरह टिवी कि स्क्रीन पर भी एक तस्वीर दिखाई देती है जो बोलती है ओर हलन चलन करती हे तो फिर आइना इस्तेमाल करना भी गुनाह है या तो टिवी ओर आईना दोनो जाइज है क्युके आइने मे भी एक तस्वीर देख रहे हे ओर टिवी मे भी एक तस्वीर देख रहे है

☰ अल जवाब ☰

◉---✧ ये बिलकुल ग़लत है,जैसा कि मेरे आलाहज़रत अज़ीमुल बरक़त रदियल्लाहु तआला अन्हु फरमाते हैं कि बिला शुबह आईने में जो अपनी सूरत देखते हो तो क्या उसमें (आईने में) कोई सूरत है ? ,नहीं बल्कि आंखों का नूर आईने पर पड़कर वापस आता है तो वो अपने आपको देखता है { जिसको SCIENCE मे परावर्तन कहते है } लिहाज़ा दाहिना बायां नज़र आता है और बायां दहिना नज़र आता है यानी LEFT RIGHT दिखता है ओर RIGHT LEFT दिखता है

◉---✧ ˛ अलमलफ़ूज़ ,हिस्सा 1,सफह 50

टिवी मिस्ल आईना है? ....

◉---✧थोडी सायन्सी तहकीक है मगर पढेंगे तो बिलकुल आसान है समज मे आ जाएगा इन्शाअल्लाहु तआला

▓—• Ű जैसा के आला हजरत ने फरमाया टिवी मिस्ल आइना नही हे दाहिना क्योकी उसमे बायां नज़र आता है और बायां दहिना नज़र आता है यानी LEFT RIGHT दिखता है ओर RIGHT LEFT दिखता है ओर उसमे सामने खडा इन्सान अलग थोडी है वो तो हम खुद को देख रहे होते है परावर्तन से

➧- टिवी मिस्ल आइना नही है इसके रद्द मे हमारे उलमा की दलील

◉---✧ ① जिस कोण से आंखों का नूर आईने पर पड़ेगा वो नूर कोण बनाता हुआ वापस लौटेगा,मसलन आइने को सामने रखकर बीच से देखें तो अपनी सूरत नज़र आती है मगर जब आईने के दाईं तरफ से देखें तो खुद की सूरत नज़र नहीं आती बल्कि बायीं तरफ़ की तमाम चीज़ें आईने में नज़र आती है ,अगर टीवी आइना है तो क्या टीवी में भी ऐसा होता है क्या टीवी के दाएं बाएं जाने से टीवी का scene यानि पोज़ चेंज होता है?

◉---✧ यक़ीनन नहीं तो फिर टीवी आईने के मिस्ल कैसे हुआ

◉---✧ ② टीवी के पिक्चर ट्यूब में कुछ ख़ास किस्म के बल्ब होते हैं जो शुवाओं [किरणो को] को टीवी के अन्दर की तरफ़ की स्क्रीन पर डालते हैं तो वो शुआअें बाहर की तरफ से नज़र आती है पलटकर वापस नहीं जाती [यानी परावर्तन नही होता] जबकि आईने में rase [किरण] पलटती हैं [यानी परावर्तन] होता है

◉---✧ तो फिर टीवी आईने के मिस्ल कैसे हुआ

◉---✧③ टीवी का पिक्चर ट्यूब खुद rase यानि किरणें पैदा करता है जब के आइना कोई नूर या किरण नहीं बनाता बल्कि जो जिस तरह उस तक पहुंचता है उसे वैसे ही लौटा देता है

◉---✧ तो फिर टीवी आईने के मिस्ल कैसे हुआ

◉---✧ ④टीवी का पिक्चर ट्यूब rase यानि किरणों में तसर्रुफ़ यानि बदलाव करता है मसलन आईने के सामने जब हम दायां हाथ उठाते हैं तो गोया लगता है कि बायां हाथ उठा लेकिन यही पोज़ जब हम टीवी में देखते हैं तो दहिना ही नज़र आता है मतलब साफ़ है कि आइना आये हुए नूर को युंहि लौटा देता है जबकि टीवी में गयी किरण को वो डायरेक्शन चेंज करके दिखाता है

◉---✧ तो जब आईना तसर्रुफ़ [बदलाव] नहीं करता और टीवी तसर्रुफ़ [बदलाव] करता है तो फिर टीवी आईने के मिस्ल कैसे हुआ

◉---✧ ⑤ आईने में नज़र आने वाली सूरत को एक जगह रोका नहीं जा सकता जबकि टीवी में नज़र आने वाली तस्वीर को pause का बटन दबाते ही बड़ी आसानी से रोका जा सकता है ये इस बात की दलील है कि आईने में कोई तस्वीर नहीं है जबकि टीवी में तस्वीर मौजूद है

◉---✧ तो फिर टीवी आईने के मिस्ल कैसे हुआ

टीवी में शुआयें हैं तस्वीर नहीं ? ....

▓—• Ű थोडी सायन्सी तहकीक है मगर पढेंगे तो बिलकुल आसान है समज मे आ जाएगा इन्शाअल्लाहु तआला

➧- ये भी बिलकुल गलत तहक़ीक़ है कि कैमरा की शुवाओं में भी तस्वीर होती है और कैमरा उन तस्वीरों को शुवाओं की शक्ल में सेव करके रख सकता है,अगर कैमरा की किरणों में तस्वीरें न होती तो सामने बैठे हुए आदमी की तस्वीर किस तरह बनती,और अगर ये तस्वीर नहीं है तो फिर इन शुवाओं को कैमरा या मोबाइल में रिकॉर्ड करने का क्या मक़सद है

◉---✧ ज़ाहिर सी बात है इन शुवाई तस्वीरों का भी वही मक़सद है जो हाथ की तस्वीरों का होता है यानि इन्हें भी कागज़ या स्क्रीन पर उतारा जाएगा,और जब ये शुआयें स्क्रीन पर आएगी तो यक़ीनन तस्वीर होगी और उस पर हुरमत साबित होगी?

◉---✧ इसको यूं समझिये कि एक आर्टिस्ट कई दिन में रंग ब्रश और केनवास पर किसी की तस्वीर बनाता है मगर आज की इस मॉडर्न टेक्नोलॉजी में वही शख्स शुवाओं का रंग लेकर कैमरा या मोबाइल के ब्रश से स्क्रीन के कैनवास पर चन्द सेकंड में तस्वीर बना देता है

◉---✧ क्या हाथ की बनी हुई तस्वीर में और टीवी या मोबाइल की स्क्रीन पर दिखती हुई तस्वीर में कोई फर्क होता है,क्या टीवी में दिखने वाली शुवाई तस्वीरों के मुंह नाक कान आंख नहीं होते,तो क्यों आख़िर ये तस्वीर नहीं है अगर चे बनाने का तरीक़ा अलग है मगर है तो तस्वीर ही

◉---✧क्या सुअर के गोश्त को मुर्गा कहकर खाने से वो हलाल हो जाएगा क्या शराब को शरबत कहकर पीने से वो जायज़ हो जाएगा, नहीं और हरगिज़ नहीं ,तो फिर ये उल्टी मन्तिक़ तस्वीर के मौज़ू पर क्युं,क्या ये सरासर शरीअत के साथ खिलवाड़ नहीं है?

◉---✧②तीसरा ये कि हालते ज़माना को देखते हुए टीवी को जायज़ कहना

◉---✧ दलील के तौर पर हज़रत फ़क़ीह अबुल लैस समरकंदी अलैहिर्रहमा के 3 मसायल में रुजू करने की बात. कहते हैं मगर याद. रखे. ये. सिर्फ. बहाना है

◉---✧ मसलन पहले इस्लामी हुकूमत आलिमो को तनख्वाह देती थी मगर जब इस्लामी हुकुमत खत्म होने लगी तो आलिम मदरसा मस्जिद छोड कर दुसरे धंधे करने लगे

◉---✧तो ऐसे नाजुक वक्त मे हज़रत समरकंदी अलैहिर्रहमा ने दर्सो तदरीस यानी मदरसा पढाने के लिए ओर इमामत के लिए तनख्वाह लेने का फतवा दिया

◉---✧ अब इस मसअले को दिखाकर टीवी को जायज़ कहना आप बताइए क्या सही है, वहां मज़बूरी थी

क्या आज टीवी के मामले मे मज़बूरी है ,क्या उस मसले का टीवी से कोई जोड़-तोड़ है? ,उस वक़्त दीन खतरे में पड़ गया था क्या आज बग़ैर टीवी के दीन खतरे में है,क्या बग़ैर टीवी के दीन मिट जाएगा

' उमूमे बलवा यानि हालते ज़माना को देखते हुए इसे जायज़ कर दिया जाए? ....

▓—• Ű ! क्या बग़ैर टीवी के इमाम नमाज़ नहीं पढ़ा पाएगा

क्या बग़ैर टीवी के बच्चे इल्म हासिल नहीं कर पाएंगे

क्या मदरसों में ताले लगवा दिए जाएं

क्या दीनी किताबें छपवानी बंद करके लाइब्रेरी में टीवी घुसा दिया जाए

क्या जलसों में मस्जिदों में मुक़र्रीर की जगह टीवी रखकर तक़रीर कराई जाए (दावते इस्लामी वालों की तरह माज़ अल्लाह)

➧- तो मानना पड़ेगा कि दीन का काम टीवी पर मौक़ूफ़ नहीं है,लिहाज़ा आवाम को गुमराह करना बंद करें

◉---✧ अब एक मसअला खूब क़ायदे से समझ लें कि वोटर कार्ड,राशन कार्ड,ड्राइविंग लाइसेंस, एडमिशन फॉर्म, पासपोर्ट या जिस जगह भी फोटो मांगी जाती है वहां पर सिर्फ उस ज़रूरत के लिए तस्वीर खिंचवाने की रुखसत है मतलब छूट है

◉---✧ यानि शरई मुआखज़ा ना होगा इसका ये मतलब हर्गिज़ नहीं कि तस्वीर जायज़ हो गई,मतलब ये कि जैसे इज़तरार की हालत में किसी की भूख से या प्यास से जान जा रही हो तो उसे शराब और सुअर खाकर भी अपनी जान बचाने की इजाज़त है,ये नहीं है कि शराब और सुअर हलाल हो गया,

◉---✧ ठीक उसी तरह ज़रूरत से ही फोटो खिंचवाने की इजाज़त है ये नहीं कि खूब फोटो खिंचाओ खूब मूवी बनवाओ खूब टीवी देखो सब जायज़ हो गया,याद रखिये जो मुसलमान किसी हराम काम को हराम जानकार करेगा तो वो फ़ासिक़ होगा मगर अल्हम्दु लिल्लाह मुसलमान रहेगा मगर किसी ने हराम को हलाल समझ लिया तो कम से कम इस मसअले में गुमराह तो हो ही जायेगा

◉---✧ अगर यहां तक की बात समझ में आ गयी हो तो ये आखिरी बात भी समझ लीजिए कि आप इस्लामी ग्रुप में हैं और इल्मे दीन हासिल करने की गर्ज़ से हैं तो इल्म उसी वक़्त फायदा पहुंचाता है जब कि उसकी इज़्ज़त की जाए और इल्म की इज़्ज़त ये होती है कि उसको क़ुबूल करे यानि उसपर अमल करे नाकि एक कान से सुने और दूसरे से कान से नीकाल दें,तो मेहरबानी करके अपनी अपनी D.P से जानदार की फोटो हटाई जाए वरना बरौज़े महशर आप खुद अपनी हलाक़त के ज़िम्मेदार होंगे

◉---✧हवाला ::: Ξ ताजुश्शरीआ कि कीताब

˛ टीवी और वीडियो का ऑपरेशन

˛ शुवाई पैकर का हुक्म

◉---✧ उमूमे बलवा यानि हालते ज़माना को देखते हुए इसे जायज़ कर देना चाहिये ? इस सिलसिले मे आप उपर शरुआत का हिस्सा पढे इन्शाअल्लाहु त'आला सब कन्फयुशन दुर हो जाएगी

◉---✧ अब जो कहते है के नबीए करीम ﷺ ने हाथ से बनाइ हुई तस्वीर को हराम कहा है मोबाइल से लि हुई तस्वीर को कहा हराम कहा है?

◉---✧ तो याद रखे जहा आका ﷺ ने तस्वीर को हराम कहा हे वहा आका ﷺ ने ये लफ्ज नही कहा के " हाथ से बनी हुइ तस्वीर हराम है " प्यारे आका ﷺ ने मुतलकन ये फरमाया के जानदार की तस्वीर हराम है

◉---✧ चाहे वो हाथ से बनी हो या मोबाइल से लि गइ हो क्युके ऐसा तो हो नही के आका ﷺ को { माजअल्लाह } पता नही था के आगे जमाने मे मोबाइल निकलेंगे

क्युके अल्लाह खुद कुरआन मे फरमाता है कि

ए महबुब हमने आपको हर चिज का इल्म दे दिया है

◉---✧ तो आका ﷺ को पता था के आगे जमाने में मोबाइल निकलेंगे

◉---✧ तो अगर मोबाइल से लि गइ तस्वीर जाइज होती तो आका ﷺ फरमाते के " हाथ से बनाइ हुइ तस्वीर हराम है " मगर नही आका ﷺ ने इर्शाद फरमाया ш 8

◉---✧ कयामत के दिन अल्लाह तआला की बारगाह में सबसे ज्यादा सख्त तरीन अजाब उन तस्वीर बनाने वालों पर है जो खुदा के बनाएं हुए कि नकल करें

˛ बुखारी शरीफ

ओर एक जगह इर्शाद फरमाया:-

◉---✧ तस्वीर बनाने वाले को(Photo graphar) को अजाब होगा उस वक्त तक कि वो अपने बनाये हुए फोटो में रूह न फूंक दे और ये उसके बस की बात नहीं

˛ बुखारी शरीफ

◉---✧ आला हजरत رحمة الله علی फरमाते हैं

ओर कोइ गैब क्या तुम से निहा हो भला

जब ना खुदा ही छुपा तुम पे करोडो दरुद

पुरी दुनीया फोटो पडा रही है तो वो कैसे गलत होंगे?

••••••••

▓—• Ű आज पुरी दुनीया शराब नोशी कर रही है तो क्या वो सही है?

◉---✧ आज पुरी दुनीया गाने सुनती है तो क्या वो सही है?

◉---✧ पब्लिक की तादाद पर न जाए अगर ज्यादा पब्लिक होना हक की निशानी है तो करबला मे इधर 72 ओर सामने 22,000 का लश्कर था तो क्या 22,000 वाले हक पर थे?

◉---✧ अल्लाह खुद कुरान मे इरशाद फरमाता है { मफहुम } ш 8

Ű क्या हक ओर बातिल यक्सा है ओर अगर तुम देखो के बातिल कसरत से हो तो इस बात से मुतआस्सिर न होना

➧- यानी बातिल ओर हक एक जैसे नही है जैसा आज लोग कह रहे है के जो फोटो नही पडाता वो अच्छा कर रहे है मगर जो फोटो पडा रहे है वो गुनाहगार नही

---✧हरगीज एसा नही है बल्कि फोटो पडाने वाला सख्त गुनहगार है अगर ये बडा गुनाह नही है तो प्यारे आका ﷺ ने क्यु फरमाया { मफहुम } के फोटो पडाने वाले पर अल्लाह की लानत है ओर खुद आका ﷺ ने नाराजगी का इजहार करा

◉---✧ ओर फिर आगे अल्लाह ने फरमाया { मफहुम } ::

Ũ ओर अगर तुम देखो के बातिल कसरत से हो तो इस बात से मुतआस्सिर न होना

◉---✧ यानि आज लोग कहते है के दुनीया मे 99% पब्लिक फोटो पडाती है तो वो गलत है? मगर अल्लाह फरमा रहा हे तुम देखो के बातिल कसरत से हो तो इस बात से मुतआस्सिर न होना यानी बातिल { जो सच्चे नही है } अगर कसरत से { ज्यादा हो } तो तुम मुतआस्सिर न होना { उनसे प्रभावित न होना, यानी उनकी तरफ माइल न होना } बल्कि हक के साथ रहना

◉---✧ मुसलमान कहता है कि फोटो मे गुनाह क्या है?

◉---✧ याद रखे ये सब शयतान के हमले है हमारी इतनी औकात नही के हम सुल्तानुल अम्बिया हुजुरे अक्दस ﷺ की बातो पर एतराज ना करे [वांधा न उठाये]

◉---✧ जैसे हुजूर ﷺ ने फरमाया नमाज फर्ज है तो हमने ये न पुछा कि क्यु फर्ज है क्युकी ये हमारी औकात नही ओर हमने इसे मान लिया इसि लिए हम पर ये फर्ज है के फोटो से बचना चाहिए ओर हम पर अल्लाह का सबसे बडा एहसान यही हे के हम प्यारे आका ﷺ के गुलाम है

◉---✧ वरना पहले की उम्मत कोइ एक गुनाह करती तो आस्मान पर से अजाब नाजिल हो जाता मगर रोज इतने गुनाह दुनीया मे हो रहे है जिससे पुरा समंदर सियाह हो जाए ओर अगर इसकी बदबु अल्लाह के हुक्म से हमे सुंघाइ जाए तो हमारे लिए यही बडा अजाब बन जाए मगर ये आका ﷺ का करम है के हम बचे हुए है खुद अल्लाह कुरआन मे फरमाता हे { मफहुम }

Ũ ए महबुब तुम इन के बिच मे हो इसलिए मे इन पर अजाब नही भेजता

◉---✧ आका ﷺको हमारी फिक्र हम से ज्यादा है इसलिए हमे अल्लाह का शुक्र अदा करना चाहिए ओर आकाﷺ से मोहब्बत करनी चाहिए

◉---✧ इसलिए इमामे इश्को मोहब्बत फरमाते है ɯ 8

Ũ आप हम से बढ कर हम पर मेहरबां

हम करे जुर्म आप रहमत किजीए

Ũ बे हुनरो बे तमीज किस को हुए है अजीज

एक तुम्हारे सिवा तुम पर करोडो दरुद

Ũ गंदे निकम्मे कमीन किसको हुए है अजीज

एक तुम्हारे सिवा तुम पर करोडो दरुद

' उसे हम चलने देंगे ओर जहन्नम मे डाल देंगे? .... '

▓—• Ű अल्लाह कुरआन में सुरह निसा मे फरमाता है

◉---✧ ओर जब रसुल का हुक्म आ जाए फिर जो उसकी मुखालीफत करे ओर मुसलमानों के रास्ते से अलग रास्ता चले तो हम उसे चलने देंगे और जहन्नम में डाल देंगे ओर जहन्नम क्या ही बुरी जगह है पलटने की

Ũ Ũ Ũ तफ्सील Ũ Ũ Ũ

◉---✧ यानी जब रसुल ﷺ किसी बात को कहे ओर कोइ इसकी मुखालीफत करे [इस पर वांधा उठाये] ओर मुसलमानो के रास्ते से अलग रास्ता चले यानी पहले से जिस मस्अले पर उम्मत का इज्माअ [एकमत] है उसको छोड कर जो अलग रास्ता चले

◉---✧ तो अल्लाह फरमाता है हम उसे दुनीया मे चलने देंगे मगर आखिर वो हमारे पास ही आएगा फिर उसे हम जहन्नम मे डाल देंगे

◉---✧ओर जहन्नम क्या ही बुरी जगह पलटने की

➧- अब इस आयत पर गौर करे के रसुल ﷺ का हुक्म आ गया के तस्वीर हराम है

◉---✧ ओर जो इससे मुखालीफत करे ओर कहे के आका ﷺ ने तो हाथ से बनी हुइ तस्वीर को हराम कहा है ना हुजुर ﷺ ने मोबाइल की तस्वीर को कहा हराम कहा है

◉---✧ ये बिल्कुल गलत है क्युकी उस वक्त मोबाइल नही थे ओर आज है उस वक्त हाथ से तस्वीर बनती थी ओर आज मोबाइल से दोनो यक्सा [समान] है

Ũ इसको इस ш 8 मिसाल से समजे

◉---✧ प्यारे आका ﷺ ने इरशाद फरमाया { मफहुम } मुसलमान को कत्ल करना हराम है

◉---✧ उस वक्त तो तलवार, भाले थे कोइ आधुनिक साधन जैसे पिस्तोल, बम तो थे नही ओर आज कोइ मुसलमान पिस्तोल से किसी मुसलमान को मारदे

◉---✧ओर जब उससे कहा जाए की आका ﷺ ने इरशाद फरमाया { मफहुम } मुसलमान को कत्ल करना हराम है तो इस पर वो ये जवाब दे के हुजूर ﷺ को जमाने मे पिस्तोल कहा थी उस वक्त तो तलवारे थी , तो हुजुर ﷺ ने जो हराम कहा है वो तलवार से किसी को मारने को हराम कहा है इस लिए मेने कोइ गुनाह नही किया क्युकी तलवार से मारना ओर पिस्तोल से मारना दोनो अलग है

◉---✧इसी तरह कोइ कहे हाथ से बनी तस्वीर ओर मोबाइल से बनी तस्वीर दोनो अलग है

मगर ये बिल्कुल गलत है क्युके दोनो से काम तो एक ही हो रहा है " तस्वीर खेंचना , बनाना " ओर हुजुर ﷺ ने हुक्म दिया के तस्वीर हराम है चाहे वो मोबाइल से लि गई हो या हाथ से बनी हो

◉---✧तो अल्लाह तआला फरमाता है की जब रसुल ﷺ किसी बात का हुक्म दे दे ओर कोइ इसकी मुखालीफत करे

[इस पर वांधा उठाये] ओर मुसलमानो के रास्ते से अलग रास्ता चले यानी रसुल ﷺ ने तस्वीर को हराम कहा तो जो कोइ इस पर वांधा उठाये ओर मुसलमानो के रास्ते से अलग चले [यानी 1400 साल से मुसलमान तस्वीर को हराम कहती आ रही है] तो जो कोइ इससे अलग कहे ओर इसके खिलाफ रास्ते पर चले यानी तस्वीर को हराम न कहे

◉---✧ तो अल्लाह फरमाता है की हम उसे दुनीया मे चलने देंगे मगर आखिर वो हमारे पास ही आएगा फिर उसे हम जहन्नम मे डाल देंगे

◉---✧ ओर जहन्नम क्या ही बुरी जगह पलटने की

◉---✧इस लिए जो रसुल ﷺ का हुक्म है कि तस्वीर हराम है इसके खिलाफ अपनी जबान न खोले

◉---✧ ओर मोबाइल की तस्वीर जाइज है एसा कहकर रसुल ﷺ ओर 1400 साल मुसलमान जिस रास्ते पर है कि तस्वीर हराम है इससे अलग रास्ते पर न चले वरना अनकरीब अल्लाह एसे शख्स को जहन्नम मे डाल देगा

◉---✧ इसलिए कोइ भी कहे के तस्वीर जाइज हे चाहे वो आलिम हो मुफ्ती हो कोइ भी हो मगर रसुल ﷺ के हुक्म के खिलाफ न जाए ओर उस आलिम से ताल्लुक तोड दे

इसी लिए ताजुश्शरीआ़ फरमाते है

नबी से जो है बेगाना उसे दिल से जुदा करदे

पिदर मादर बिरादर जानो माल उन पर फिदा करदे

' फोटो खिंचवाना हराम है मगर मोबाइल मे फोटो रखना?

ʁ तस्वीर बनानेवाला गुनहगार है मगर देखनेवाला.......?

▓━• Ũ मुहद्दीषे कबीर हजरत अल्लामा मुफ्ती जिया उल मुस्तफा सहाब फरमाते है की अल्लामा हजर अस्कलानी ओर इमाम बदरुद्दीन एयनी ओर दीगर अस्लाफ फरमाते हैं की तस्वीर बनानेवाला ओर उसको देखनेवाला दोनो को बराबर गुनाह मिलेगा

◉◉---------✧ बल्कि देखनेवाले को ज्यादा गुनाह मिलेगा क्युकी अगर देखनेवाला देखता नही तो बनाने वाला बनाता ही क्यु?

◉------✧ मार्केट मे वोही चीज होती है जो बिकती है अगर खरीदनेवाले खरीदे नही तो बनाने वाला बनाए क्यु?

◉------✧ इसलिए देखनेवाला बनाने वाला दोनो गुनहगार हे मगर देखनेवाला ज्यादा गुनहगार है

◉------✧ इस लिए एसी विडीयो जिसमे मौलाना तस्वीर बनवाता हो एसी नात या तकरीर देखने वाला यह न समजे के मुजे सवाब मिल रहा है

◉------✧ बल्कि देखनेवाले ज्यादा गुनहगार है

◉------✧ ओर FACEBOOK या WHATSAPP पर जो तस्वीर रखता है वो तो गुनहगार हे ही मगर उसको देखनेवाला

ज्यादा गुनहगार है

◉------✧ ओर FACEBOOK या WHATSAPP पर तस्वीर को देख कर सुब्हानल्लाह, माशाअल्लाह वगैरह की COMMENT करना हराम है

ੳ हुजूर ﷺ ने ईरशाद फरमाया :: जिस घर में कुत्ता और तस्वीर (जानदार) हो, उस घर में रहमत के फरिश्ते दाखिल नहीं होते

ˆ फतवाए रजवीया जिल्द 9 सफा 143.......

◉------✧ सरकार ताजुश्शरीअ़ा फरमाते है की किसी के मोबाइल मे भी अगर तस्वीर है तो उस घर मे रहमत के फरिश्ते नही आते

◉------✧ क्युकी इस हदीस् मे मुतलकन ये इर्शाद है के जिस घर मे जानदार की तस्वीर या कुत्ता हो उस घर मे रहमत के फरिश्ते नहीं आते

ੳ दुकान वगैरह मे जो तस्वीर होती है उसका क्या हुक्म है? ੳ

◉------✧ पहले ये समजले के तस्वीर उसको कहते है जिसमे चेहरा साफ नजर आता हो

◉------✧ कुछ लोग चेहरे की आंखो को स्क्रेच कर देते है मगर इससे भी तस्वीर का गुनाह माफ नही होगा अब भी वो तस्वीर ही है

◉------✧ मगर दुकान मे जो सामान पे तस्वीर होती है उससे रहमत के फरिश्ते दुर नही जाते

◉------✧ क्युकी वैसे तो पैसे की नोट पर भी तस्वीर है

◉------✧ मगर यहा पर माल सामान पर जो तस्वीर है उसमे हमारी कोइ मर्जी या खुशी नही है, अगर वो तस्वीर न भी हो तब भी हम वो सामान बेचेंगे

◉------✧ इस लिए एसी तस्वीर से कोइ गुनाह नही है रहमत के फरिश्ते इससे दुर नही जाएंगे क्युकी यहा पर मजबूरी है जैसे आधार कार्ड वगैरह की फोटो की मजबुरी होती है इसमे हर्ज नही

◉------✧ कुछ लोग इमाम मालिक के बारे मे यह कहते है की उन्होने गैर सायादार यानी जिसका साया न हो (मोबाइल वगैरह की) तस्वीर को जाइज कहा है ये बिल्कुल गलत है, चारो इमाम के नजदीक तस्वीर हराम हैम

◉------✧ मालकी मजहब के सबसे बडे आलिम इमाम हाफिज इब्ने अब्दुल बर्र मालकि अपनी किताब " अल इन्तेका" मे फरमाते है " सायादार ओर गैर सायादार दोनो तस्वीर हराम है

▓—• Ũ हदीसे पाक का मफहुम है

◉◉---------✧अल्लाह जिसके साथ भलाइ का इरादा करता है उसे दीन की यानी इस्लाम की समज बुझ अता फरमाता है

◉------✧ यानी वो इस्लाम के हुक्म को मानता है जिसके साथ अल्लाह भलाई का इरादा फरमाता है यानी अल्लाह को बंदा पसंद है ओर वो जहन्नम मे जाए ये अल्लाह को पसंद नही

◉------✧इसलिए फोटो पर इतनी बहस के बाद भी यह गुनाह हमसे ना छुटे इसका मतलब अल्लाह उस शख्स को पसंद नही करता वरना इस गुनाह से बचने की समजबुझ अल्लाह हमे अता करता

◉------✧ इस लिए दुआ करते रहे अल्लाह इस बडे गुनाह से हमे बचाए रखे

◉------✧ शैतान अपना चारा जाने नही देगा मगर फिर भी जो कोइ इस गुनाह से तौबा करे वो मुजे दुआ मे जरुर याद रखे

◉------✧ हवाले के लिए जिस किसी को यह सारी बाते ताजुश्शरीआ़ रदिअल्लाहो तआला अन्हु ओर मुहद्दीषे कबीर की जबाने पाक से सुननी हो ओर ताजुश्शरीआ़ कि किताब “ टिवी विडीयो का ओपरेशन “ पढनी हो तो निचे दीए हुए QR CODE को अपने फोन से स्केन करे जिससे एक लिंक खुलेगी उसे ओपन करे